# Dr. Bhimrao Ambedkar Government College Sriganganagar

## FACULTY OF ARTS

## M. A. HINDI LITERATURE

**Programme Outcomes:**

The programme:

• helps students learn about the origin and growth of language

• improves analytical and comprehension skills of students

• cultivates language skills of students by introducing them to structures of language through a wide variety of literary works.

• hones the writing skills of students and they learn the conventions of academic writing

• introduces different literary periods and trends of each of these periods.

• introduces works on different themes- gender, racial and ethnic disparities, religion, metaphysics, social problems etc.

**Programme Specific Outcomes**

By the end of the programme, the students:

• become thorough with reading works with theoretical framework
• become capable of interpreting and exploring relationships from the points of view of different writers.
• open up their minds and stimulate the sympathetic/empathic imagination by allowing them to see the world through other's eyes as well to fosterintercultural dialogue
• appreciate Indian history and culture through literature
• learn what language is and what knowledge a language consists of.
• form an idea of the complex nature of literary studies and how they are entangled with other aspects of the social body.
• inculcate a literary, aesthetic and critical awareness of diverse cultures of India and literary creations and thus to arrive at a broader vision of the society.
• become sensitized to issues like marginalization and subjugation of women

एम.ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य –;2020–2021द्ध

प्रथम प्रश्न–पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

इकाई–1

आदिकाल – साहित्य की इतिहास दृष्टि, हिन्दी साहित्य का आरम्भ (पूर्वापर सीमा निर्धारण) कब और कैसे? पृष्ठभूमि, रासो साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और

उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य, आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएं, आदिकाल की प्रवृत्तियां, परवर्ती साहित्य पर आदिकालीन साहित्य का प्रभाव।

इकाई–2

भक्तिकाल – पूर्वापर सीमा निर्धारण भक्ति आन्दोलन, उदय के कारण, सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां, आलवार सन्त, सांस्कृतिक चेतना एवं प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल

भारतीय स्वरूप, चेतना एवं भक्ति आन्दोलन। हिन्दी सन्त काव्य – सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और उनका वैशिष्ट्य, सन्त काव्य की

प्रमुख विशेषताएं।

हिन्दी सूफी काव्य –

सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य, हिन्दी सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व, कवि और काल, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएं।

हिन्दी कृष्ण काव्य – विविध सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कवि और काव्य, कृष्ण काव्य की प्रमुख विशेषताएं, भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य।

इकाई–3

रीतिकाल :– रीतिकाल सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, पूर्वापर सीमा निर्धारण, रीति काव्य के मूल स्रोत, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्यधाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख

कवि और उनका वैशिष्ट्य, दरबारी सस्कृति और लक्षण। रीति ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ (वीर, भक्ति एवं नीति काव्य)

इकाई–4

आधुनिक काव्य – नामकरण और आधुनिकता की अवधारणा, पर्वूापर सीमा निर्धारण, पृष्ठभूमि। पद्य आधुनिक हिन्दी कविता के विकास के विभिन्न सोपान।

भारतेन्दु युग – सांस्कृतिक पुनर्जागरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान। द्विवेदी युग – हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीय काव्य धारा, प्रेम और मस्ती की काव्य धाराएँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद।

छायावाद– स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, छायावाद – नामकरण, प्रवृत्तियाँ, उद्भव के कारण और परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि – प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी।

प्रगतिवाद – प्रगतिवाद और प्रगतिशीलता, प्रगतिवाद का प्रारम्भ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, उदय के कारण, वैचारिक दृष्टिकोण, प्रमुख कवि – दिनकर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन।

प्रयोगवाद– नामकरण, उदय की कारणमूलक परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, तारसप्तक और सप्तक की प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद, प्रमुख कवि – अज्ञेय, धर्मवीर भारती, मुक्तिबोध, शमशेर, गिरिजाकुमार माथुर आदि।

नई कविता –उदय की कारणमूलक परिस्थितियाँ, नामकरण की सार्थकता, प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, वैशिष्ट्य, प्रमुख कवि। समकालीन कविता सामान्य परिचय।

इकाई–5

गद्य :–

खड़ी बोली हिन्दी गद्य – उद्भव और विकास, उद्भव के कारण (पूर्व भारतेन्दु युग, भारतेन्दु युग, प्रेरणा स्रोत, विभिन्न व्यक्तियों का योगदान, द्विवेदी युग, उत्तर द्विवेदी युग), हिन्दी के प्रमुख गद्यकार और उनका मौलिक अवदान। प्रमुख गद्य विधाओं का ऐतिहासिक विकास (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, एकांकी, आलोचना, सस्मरण, रेखाचित्र)।

Course Outcomes:

- To introduce the historical background and analysis of literary texts
- To introduce various stages of growth of literature

- To study several genres of writing Hindi literature
- To compare and analyze texts of different ages critically

एम.ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य –;2020–2021द्ध द्वितीय प्रश्न–पत्र –
साहित्य शास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य

समय : 3 घंटे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई–1

काव्य की अवधारणा–

रस सिद्धान्त – रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस–अर्थ और स्वरूप, रसावयव, भरत का रससूत्र और उनके प्रमुख व्याख्याकार , हिन्दी के आचार्यों– रामचन्द्र शुक्ल और नगेन्द्र की रस विवेचनाएं, सहृदय की अवधारणा।

ध्वनि सिद्धान्त– ध्वनि– अर्थ और स्वरूप, भेद–प्रभेद, महत्त्व, प्रमुख आचार्य, (परम्परा), काव्य की आत्मा मानने के पक्ष–विपक्ष में तर्क, आनन्दवर्द्धन का योगदान।

इकाई–2

वक्रोक्ति सिद्धान्त– वक्रोक्ति – लक्षण और स्वरूप, भेदोपभेद, विकास, कुन्तक के वक्रोक्ति सिद्धांत और क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की तुलना। अलंकार सिद्धान्त– अलंकार के लक्षण और स्वरूप, काव्य में महत्त्व, अलंकार सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य, अलंकार और आलंकार्य । रीति सिद्धान्त– अर्थ और स्वरूप, रीतियों के प्रमुख भेद, रीति और गुण, रीति और शैली, वामन का अवदान। औचित्य सिद्धान्त–

स्वरूप, भेद, औचित्य
का अन्य सम्प्रदायों से
संबंध । इकाई–3

1. विरेचन सिद्धान्त –अरस्तू,
2. सम्प्रेषण सिद्धान्त –आई. ए. रिचर्ड्स,
3. निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त – टी. एस. इलियट
4. कल्पना सिद्धान्त – कॉलरिज
5. काव्य भाषा सिद्धान्त – वर्डस्वर्थ
6. यथार्थवाद – जॉर्ज लूकाच
7. लोंजाइनस का उदात्त तत्व
8. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद

इकाई–4

;कद्धआलोचना पद्धतियां :– मनोविश्लेषणात्मक, मार्क्सवादी, अस्तित्ववादी, नई समीक्षा, स्वच्छन्दतावादी।

;खद्धआधुनिक हिन्दी आलोचना :–प्रमुख विशेषताएं – हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनका मौलिक अवदान।

1. रामचन्द्र शुक्ल – रस दृष्टि और लोकमंगल की अवधारणा।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सांस्कृति ओर ऐतिहासिक आलोचना।
3. नन्ददुलारे वाजपेयी – सौष्ठववादी आलोचना।
4. डॉ. नामवर सिंह – मार्क्सवादी आलोचना।
5. डॉ. नगेन्द्र – रसवादी आलोचना ।

इकाई–5

1. – साहित्यिक विधाओं का सैद्धान्तिक स्वरूप (महाकाव्य, खण्डकाव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा , जीवनी, गीतिकाव्य)।

2. – मिथक , फंतासी, स्वच्छदतावाद और यथार्थवाद, समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणा :– विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, अश्वेत साहित्य, प्रवासी साहित्य।

Course Outcomes:

- To study the concept of sounds and phonology
- To introduce the various genres of Hindi literature including poetry, novel, drama
- To study the theory of poetics

एम.ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य –;2020–2021द्ध तृतीय प्रश्न–पत्र – प्राचीन काव्य

समय : 3 घंटे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय)– चन्दरवरदाई रासो शब्द का अर्थ, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता– अप्रामाणिकता, रासो काव्य परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान, पद्मावती समय की विशिष्टता, कथा संगठन, चरित्र–चित्रण, कथानक रूढ़ियां, काव्य सौन्दर्य, रस योजना, प्रकृति चित्रण, भाषा–शैली ।

इकाई–2

2. वीसलदे रास –भाग तीन– वियोग, संदेश, पुनर्मिलन (छंद संख्या 196 –221) :– संपादक – डॉ. माताप्रसाद गुप्त रासो शब्द का अर्थ, रासो की प्रामाणिकता, रासो काव्य परम्परा में बीसलदे रास का स्थान, काव्य सौष्ठव, चरित्र चित्रण, वीर और श्रृंगार रस, भाषा शैली।

इकाई–3

3. भनई विद्यापति:– संपादक – कृष्ण मोहन झा गीति काव्य परम्परा और उसमें विद्यापति का स्थान, मुक्तक काव्य और विद्यापति, विद्यापति भक्त या श्रृंगारी कवि, काव्य शास्त्र और श्रंगार वर्णन, विरह वर्णन, सौन्दर्य चित्रण, प्रेम व्यंजना, भाव व्यंजना, काव्य कला और भाषा शैली।

इकाई–4

कबीर ग्रन्थावली:– संपादक – श्यामसुन्दर दास साखियां , गुरुदेव को अंग, निहकरमी पतिव्रता को अंग, विरह को अंग, पद – 1/6/11/18/39/40/43/64/84/92/111 सन्त शब्द का अर्थ , सन्त

काव्य परम्परा और उसमें कबीर का स्थान, कबीर का समाज–दर्शन, विद्रोह भावना, दार्शनिकता, रहस्यवाद, भक्ति–भावना, कबीर के राम, भाव–व्यंजना, काव्य–कला, भाषा वैशिष्ट्य।

इकाई–5

5. जायसी ग्रन्थावली ( सिंहल द्वीप खंड, नागमती वियोग खंड ) :संपादक – रामचन्द्र

शुक्ल सूफी काव्य परम्परा और उसमें जायसी का स्थान, सूफी शब्द का अर्थ, पद्मावत का महाकाव्य, काव्य सौन्दर्य, प्रेम भावना, रहस्यवाद, रस योजना, वियोग वर्णन, प्रकृति सौन्दर्य वस्तु वर्णन, लोक तत्त्व, अन्योक्ति है या समासोक्ति, कथानक रूढ़ियां, काव्य सौष्ठव।

Course Outcomes:

- To study the ancient Hindi poetry as heritage literature
- To analyse the ancient texts in the light of socio-historical perspective
- To introduce the ideologies and philosophies like mysticism, Sufism, philosophy etc.

एम.ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य –;2021–22द्ध चतुर्थ प्रश्न–पत्र –

मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घंटे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. विनय पत्रिका (उत्तरार्द्ध के 136–200 तक)– तुलसीदास रामकाव्य परम्परा और तुलसी, तुलसी के राम का स्वरूप, तुलसी की भक्ति भावना, सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल की अवधारणा, काव्यदृष्टि, समन्वय, विनय पत्रिका में दर्शन, काव्यसौष्ठव, उद्देश्य ।

इकाई–2

2. सूर सौरभ (प्रथम 50 छंद) :– संपादक – डॉ. नन्द किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर सूर की भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, श्रृंगार वर्णन, गीति योजना, सहृदयता और वाग्विदग्धता, प्रकृति चित्रण, अलंकार योजना, भाषासौष्ठव, काव्यकला, भ्रमरगीत परम्परा और उसमें सूर का स्थान, भ्रमरगीत का उद्देश्य, विशेषताएँ।

इकाई–3

3. मीरा पदावली (प्रथम 50 छंद) :– संपादक – शम्भूसिंह मनोहर मीरा की भक्ति भावना, प्रेम साधना, गीति काव्य और मीरा, मीरा–काव्य में लोक तत्त्व, मीरा के आराध्य का स्वरूप, विरह भावना, मीरा काव्य में वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति, सौन्दर्य, निरूपण, काव्यसौष्ठव।

इकाई–4

4. बिहारी (बिहारी रत्नाकर – प्रथम 100 दोहे) – सतसई काव्य परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान, मुक्तक काव्य और बिहारी, बिहारी की बहुज्ञता, कल्पना की समाहार–शक्ति और भाषा की समास–शक्ति, रसयोजना, श्रृंगार वर्णन, प्रकृति चित्रण, अनुभाव वर्णन, सतसई में नीति, भक्ति और श्रृंगार, गागर में सागर, काव्य सौष्ठव।

इकाई–5

5. घनानन्द – कवित्त (प्रथम 50 पद) :– संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र रीतिमुक्त काव्य धारा की विशेषताएँ, रीतिमुक्त काव्यधारा और उसमें घनानन्द का स्थान, प्रेमव्यंजना, भावसौन्दर्य, काव्यकला, विरहानुभूति, काव्यदृष्टि।

Course Outcomes:

- To introduce the works of medieval poets and their works
- To comprehend the socio-cultural discourses through literary texts
- To study a variety of poets and writers to get an idea of the creative styles and genres.

एम.ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य –(2021–22)

## गद्य साहित्य

### इकाई– 1

शेखर एक जीवनी (भाग 1,2)– अज्ञेय

### इकाई– 2

लहरों के राजहंस ए राजकमल प्रकाशनए नई दिल्ली

### इकाई– 3

संकलित कहानियां – 1.दुलाईवाली
–बंगमहिला

2- गुंडा – जयशंकर प्रसाद
3- कफन – प्रेमचन्द
4- सेब और देव – अज्ञेय
5- दुख का अधिकार (कहानी) – यशपाल
6- गदल – रांगेय राघव
7- पंचलाईट ६ पंचलैट – फणीश्वरनाथ रेणु
8- वापसी – उषा प्रियंवदा
9- यही सच है – मन्नू भंडारी
10- जहाँ लक्ष्मी कैद है– राजेंद्र यादव
11- दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर
12- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
13- सेब – रघुवीर सहाय
14- पिता – ज्ञानरंजन
15- ठंडक – डॉ महीप सिंह हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, प्रमुख कहानी आन्दोलन, प्रसाद स्कूल और प्रेमचन्द स्कूल, संकलित कहानीकारों का कहानी लेखन में स्थान, संकलित कहानियों की मूल संवेदना और उद्देश्य, संकलित कहानियों का तात्त्विक अध्ययन, संकलित कहानियों की कहानी कला।

### इकाई– 4

1.चेतना का संस्कार (सं.विश्वनाथ तिवारी), वाणी प्रकाशन, दिल्ली हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास, संकलित निबन्धकारों का निबन्ध लेखन में स्थान, संकलित निबन्धों का मूल भाव और उद्देश्य, संकलित निबन्धों की भाषा–शैली। संकलित निबन्ध –

1. होली है – प्रतापनारायण मिश्र
2. कवि कर्त्तव्य – महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त
4. श्रद्धा–भक्ति – रामचन्द्र शुक्ल
5. अशोक के फूल – हजारी पस्राद द्विवेदी
6. चेतना का संसार – अज्ञेय
7. तुलसी साहित्य के सामन्त विरोधी मूल्य – डॉ. रामविलास वर्मा
8. साहित्य के दृष्टिकोण – गजानन माधव मुक्तिबोध
9. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
10. परम्परा और इतिहास बोध – निर्मल वर्मा 11.वन्दे वाणी विनायकौ – कुबेर नाथ राय

### इकाई – 5

2.अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा संस्मरण और रेखाचित्र का उद्भव और विकास, सस्मरण और रेखाचित्र में अन्तर, संस्मरण और रेखाचित्र लेखन में महादेवी वर्मा का स्थान, अतीत के चलचित्र में संकलित रचनाओं की संवेदना और शिल्प।

Course Outcomes:

- To introduce a variety of literary texts for comprehension and analysis
- To understand the techniques of prose, story writing and biography
- To study the socio-cultural concerns of the Indian society

एम.ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य –;2021–22द्वद्वितीय प्रश्न–पत्र –

आधुनिक काव्य

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक – 36 पूर्णांक – 100

इकाई– 1

साकेत (नवम् सर्ग)– मैथिलीशरण गुप्त नामकरण, प्रेरणास्रोत, महाकाव्यत्व, नारी भावना, रामकाव्य परम्परा में साकेत का स्थान, उर्मिला का विरह, उर्मिला का चरित्र, नवम् सर्ग का वैशिष्ट्य, प्रकृति चित्रण, युगबोध, उद्देश्य, संस्कृति निरूपण, भक्ति और दर्शन, काव्य सौष्ठव। इकाई – 2

कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा)– जयशंकर प्रसाद हिन्दी महाकाव्य : उद्भव और विकास, कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी में छायावादी तत्त्व, रूपकत्व, दर्शन, प्रमुख पात्र, प्रासंगिकता, उद्देश्य, प्रतीक योजना, काव्य सौष्ठव।

इकाई– 3

दीर्घ कविता (राम की शक्ति पूजा (निराला), परिवर्तन (पतं), असाध्य वीणा (अज्ञेय), अंधेरे में (मुक्तिबोध) )

प्रतिबन्धात्मकता और दीर्घ कविता, दीर्घ कविता परम्परा और उसमें संकलित दीर्घ कविताओं का स्थान, दीर्घ कविता का शिल्प–विधान, संकलित दीर्घ कविताओं की मूल संवेदना, उद्देश्य और भाषा–शिल्प , काव्य सौष्ठव।

इकाई– 4

समकालीन कवितारू–

शमशेर– एक मौन, चुका भी हूँ मैं नहीं, मकई से लाल गेहूं तलवे, टूटी हुई बिखरी हुई, काल तुझसे होड़ मेरी, रघुवीर सहाय– समझौता, भूले हुए शब्द ही, आत्महत्या के विरुद्ध, कविता बन जाती है, भारतीय विनोद कुमार शुक्ल– मानुष मैं

ही हं, सूखा कुंआ जो मृत है, दरू से अपना घर देखना चाहिए, उपन्यास में पहले एक कविता रहती थी, शहर से सोचता हूँ

नन्दकिशोर आचार्य – बांसूरीः मोर पांख, बूढ़ा शहर, शब्द हो केवल, कुछ भी तो नहीं, लामकां है भाषा, पुनर्नवा राजेश जोशी– देख चिड़िया, नट, रैली में स्त्रियां, भाषा की आवाज, चांद की वर्तनी

इकाई– 5

कनुप्रिया– धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली। कनुप्रिया में मिथकीय चेतना, आधुनिकता बोध, प्रासंगिकता, कृष्ण और राधा का आत्म संघर्ष, काव्य सौष्ठव।

Course Outcomes:

- To study the changing trends in literature
- To study a variety of texts to get the wider picture of social, cultural and political scene of the society
- To learn from the experiences and creative output of several authors

एम.ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2021–22तृतीय भाषा

विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई–1

भाषा और भाषा विज्ञान :–

1. भाषा तथा विज्ञान की परिभाषा, भाषा का महत्त्व
2. भाषा की प्रकृति तथा अन्य ज्ञान शाखाओं से भाषा विज्ञान का संबंध
3. भाषा विज्ञान में अध्ययन के विभाग
4. भाषा की उत्पत्ति तथा ससांर की भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक) इकाई–2

ध्वनि विज्ञान :–

1. ध्वनि की परिभाषा और उसका वैज्ञानिक आधार एवं विश्लेषण
2. ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।
3. ध्वनि परिवर्तन के प्रकार, बलाघात एवं स्तर।
4. ध्वनि नियम, ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, बतर्र नियम, तालव्य भाव नियम
5. हिन्दी से संबद्ध विशिष्ट ध्वनि नियमों का व्यावहारिक ज्ञान।

रूप विज्ञान :–

1. शब्द और उसकी निर्माण पद्धति।
2. पद निर्माण पद्धति और उसके भेद
3. संबंधतत्त्व के विविध प्रकार।
4. संबंधतत्त्व एवं अर्थ तत्त्व।
5. रूप परिवर्तन की दिशाएं। इकाई–3

वाक्य विज्ञान :–

1- वाक्य की परिभाषा

2- वाक्य विश्लेषण 3.

वाक्य के प्रकार

अर्थ विज्ञान :–

अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ विज्ञान का क्षेत्र, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, बौद्धिक नियम। प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएं – वैदिक सस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएं।

इकाई–4

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं–

1- भौगोलिक परिचय

2- वर्गीकरण और तत्संबंधी विविधता 3.

भाषा वैज्ञानिक परिचय हिन्दी भाषा

संरचना–

1. नामकरण तथा विकास की विविध स्थितियां, हिन्दी का उद्‌भव और विकास।
2. हिन्दी भाषा का क्षेत्र, हिन्दी की उपभाषाएं तथा बोलियां, खड़ी बोली (नामकरण, क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएं) हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
3. हिन्दी का राष्ट्रभाषा व राजभाषा रूप।
4. हिन्दी शब्द स्रोत ध्वनि, हिन्दी की शब्दावली, हिन्दी शब्दों का वर्गीकरण (अर्थ, उत्पत्ति, व्युत्पत्ति, और रूप परिवर्तन के आधार पर), शब्द सरंचना के संघटक तत्त्व, (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)
5. हिन्दी के व्याकरणिक रूप (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल । इकाई–5

लिपि व देवनागरी लिपि :–

1. भाषा एवं लिपि का संबंध और विकास, लिपि– अर्थ और स्वरूप।
2. भारत की प्राचीन लिपियां (ब्राह्‌मी, खरोष्ठी)।
3. देवनागरी लिपि – उत्पत्ति, नामकरण और विकास की विभिन्न स्थितियां, वैज्ञानिकता और गुण–दोष, विशेषताएं, नागरी–लिपि में संशोधन के प्रस्ताव, (लिपि–सुधार आन्दोलन) और मानकीकरण, मानक स्वरूप और हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण।
4. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि :–

1. वर्ण, अक्षर और ध्वनि।
2. हिन्दी वर्णमाला (स्वर और व्यंजन)
3. स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण, हिन्दी की प्रचलित ध्वनियां। सहायक ग्रन्थ

Course Outcomes:

- To study the etymology and root words of the Hindi language
- To study the phonology, word structures and sentence structures in Hindi language
- To introduce the various lipis used in Hindi language
- To study the historical evolution of the language through various phases

एम. ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य–;2021–22द्ध

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (क) –सूर

इकाई–1

सूर का जन्म और व्यक्तित्व :– तत्कालीन परिस्तिथियाँ ,जीवनवृत ,ग्रंथो की प्रमाणिकता, पुष्टिमार्ग और भक्ति भावना, अष्टछाप के कवियों में सूर का स्थान , सुर का कवित्व एवं काव्य कला ,सूर का दर्शन ,कृष्ण काव्य परंपरा में सूर का स्थान।

इकाई–2

सूर साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि :– सूर साहित्य का रीतिकालीन साहित्य पर प्रभाव , सरू की भक्ति पद्दति,जीवन दर्शन एवं काव्य दृष्टि

इकाई–3

सूरसागर सार ( संपादक – धीरेन्द्र वर्मा)– साहित्य भवन इलाहाबाद – बाल लीला :– काव्यत्व ,दर्शन ,लीला भेद ,काव्य शिल्प।

इकाई–4 सूरसागर सार ( संपादक – धीरेन्द्र वर्मा)– सयोग श्रृंगार :– नायक–नायिका भेद ,प्रतिपाद्य , अलंकार योजना ,चित्रात्मकता ,काव्य सौष्ठव।

इकाई–5

सूरसागर सार ( संपादक– धीरेन्द्र वर्मा)– वियोग श्रृंगार :– अलंकार योजना ,चित्रात्मकता ,काव्य सौष्ठव, सरू की सहृदयता और वाग्विदग्धता ,गीति काव्य और सूर
, भक्ति भावना , प्रकृति चित्रण और काव्य भाषा।

Course Outcomes:

- To introduce the significant texts of Surdas
- To analyse the literary texts in the context of their social and historical significance
- To study the universal appeal of Surdas through the thematic analysis of his works

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (ख) – प्रेमचन्द

इकाई–1

कुछ विचार (निबन्ध)– प्रेमचन्द के निबन्ध और गद्य–शैली, प्रेमचन्द के अनुसार – साहित्य का उददेश्य , साहित्य के तत्त्व , उपन्यास और कहानी पर विचार, कला संबंधी विचार, राष्ट्रभाषा और साहित्य का संबंध , साहित्य संबंधी विचार, राष्ट्रभाषा, लिपि–विचार, प्रेमचन्द का आदर्श और यथार्थ।

इकाई–2

सेवासदन (उपन्यास )–

कथानक की कलात्मकता, प्रमुख चरित्र, चरित्र चित्रण की विशेषताएं, नायकत्व, भारत की तात्कालिक परिस्थितियां, समसामयिक जीवन की समस्याएं, भाषा–शैली, औपन्यासिक शिल्प।

इकाई–3

रंगभूमि (उपन्यास)– कथानक की कलात्मकता, प्रमुख चरित्र, चरित्र चित्रण की विशेषताएं, रंगभूमि में औद्योगिक विकास की हानियां, गांधीवादी विचारधारा, उद्देश्य, भाषा–शैली, औपन्यासिक शिल्प।

इकाई–4

मानसरोवर– भाग –1 (कहानी संग्रह) – संकलित कहानियां – 1. अलग्याझा, 2. ईदगाह, 3. माँ, 4. बेटों वाली विधवा, 5. बड़े भाईसाहब, 6. शांति, 7. नशा, 8. स्वामिनी, 9. ठाकुर का कुआं, 10. घर जमाई, 11. पूस की रात, 12. झांकी, 13. गुल्ली – डंडा, 14 ज्योति, 15 दिल की रानी 16. धिक्कार, 17. कायर, 18 शिकार, 19 सुभागी, 20. अनुभव, 21. लांछन, 22. आखिरी हीला, 23 तावान, 24 घासवाली, 25. गिला, 26. रसिक सम्पादक, 27. मनोवृत्ति। प्रेमचन्द की कहानी कला, कहानियों का वैशिष्ट्य, कहानियों का तात्त्विक विश्लेषण, कहानियों के उद्देश्य, भाषा–शैली, शिल्प।

इकाई–5कर्बला (नाटक)– नाटककार के रूप में प्रेमचन्द, नाटक का कथ्य, पात्र योजना, विशेषताएं, रंगमंचीयता, शिल्प।

Course Outcomes:

- To discover the universal appeal in the writings of Premchand
- To analyse the social and cultural environment of the contemporary times in the light of his works
- To evaluate his literature in style, language and simplicity

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (ग) – तुलसीदास

इकाई–1

रामचरितमानस (अयोध्याकाण्ड) :– प्रबंधात्मकता, काव्य सौन्दर्य, आदर्श रूप, रामकाव्य परम्परा, लोकमंगल, रस योजना, चित्रकूट सभा का महत्त्व, तुलसी का युगबोध, समन्वय, लोकनायकत्व, भारतीय समाज में रामचरितमानस का स्थान, भाषा–शैली, शिल्प विधान।

इकाई–2

विनय पत्रिका :–तुलसी साहित्य में विनय पत्रिका का स्थान, भावानुभूति, मुक्तक काव्य की दृष्टि से तुलसी का मूल्यांकन, लोकमंगल की अवधारणा, समन्वय, भाषा–शैली, शिल्प–विधान।

इकाई–3

कवितावली (उत्तरकाण्ड):– वस्तुविधान, काव्य रूप, रस योजना, दर्शन, यथार्थबोध, प्रासंगिकता, काव्य सौष्ठव।

इकाई–4

गीतावली ( बालकाण्ड एवं अयोध्याकाण्ड) :– प्रामाणिकता, मुक्तक काव्य की दृष्टि से मूल्यांकन, वात्सल्य निरूपण, काव्य सौष्ठव।

इकाई– 5

तुलसी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि :– आध्यात्मिक दर्शन , समाज दर्शन, काव्य दृष्टि ।

Course Outcomes:

- To study the works of the iconic poet Tulsidas for its literary, historical and spiritual significance
- To relate to the universal papeal of the texts to the modern living
- To study the minute details of language and linguistics of these ancient writings

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (ड.) – नई कविता

समय : 3 घंटे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई–1

कितनी नावों में कितनी बार : – अज्ञेय ( पहली 15 कविताए) प्रयोगवाद और अज्ञेय, प्रयोगवाद और नई कविता में अज्ञेय का स्थान, प्रमुख काव्य कृतियां, काव्य संबंधी मान्यताएं, अज्ञेय पर पाश्चात्य प्रभाव। अनुभूतिगत विशेषताएं, प्रणयानुभूति, क्षणानुभूति, नूतन सौन्दर्यबोध, प्रकृति प्रेम, अभिव्यक्तिगत विशेषताएं – भाषा एवं शब्द योजना, लाक्षणिकता – प्रतीकात्मकता और बिम्ब विधान।

इकाई–2

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की प्रतिनिधि कविताएं :– संपादक – प्रयाग शुक्ल (पहली 15 कविताएं), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली नई कविता की पृष्ठभूमि और सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की भूमिका, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य संवेदना, अनुभूति पक्ष, कवि चेतना का विकास, अभिव्यक्ति पक्ष, शिल्प का वैशिष्टय।

इकाई–3

केदारनाथ सिंह की प्रतिनिधि कविताएं :– संपादक – परमानन्द श्रीवास्तव (पहली 15 कविताएं) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली नई कविता और केदार, जीवनदर्शन , केदार की यथार्थ चेतना , राजनीतिक बोध, नारी चेतना, युगबोध, विसंगति और विडम्बनाओं का कवि, संघर्ष और क्रान्ति चेतना, मानवीय मूल्य और केदार, वर्गविहीन समाज की परिकल्पना, गवंई सवेंदना, शिल्प विधान–भाषा, प्रतीक, मुहावरें, निबन्ध, व्यंग्य, तुकबंदी, सूक्तियां, सपाटबयानी, नाटकीयता।

इकाई– 4

शमेशर की प्रतिनिधि कविताएं :– संपादक – डॉ. नामवर सिंह (पहली 15 कविताएं) – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली प्रगतिवाद और शमशेर, शमशेर का दर्शन , सौन्दर्यानुभूति भावानुभूति, रसात्मकता, युगबोध, भाषा–शिल्प, प्रतीक विधान, लाक्षणिकता, आलंकारिकता, प्रकृति चित्रण, सांस्कृतिक तत्त्व, काव्य सौन्दर्य
।

इकाई–5

रधुवीर सहाय की प्रतिनिधि कविताएं – सं. सुरेश वर्मा ( एक समय था खण्ड से पहली 15 कविताएं)
–

कविता और रघुवीर सहाय, राजनीतिक विसंगतियां , सामाजिक विसंगतियां, दर्शन, पत्रकार के रूप में रघुवीर सहाय , शिल्प वैशिष्ट्य – मुहावरे, पत्रीक, बिम्ब, गद्य, कविता की निष्पत्ति व्यंग्य, भाषा, शैली।

Course Outcomes:

- To introduce students to the new poetry in Hindi
- To familiarize students witrh the changing trends in writing
- To evaluate contemporary poetry through social, cultural and political messages
- To study the representative poets of the modern times to enhance creativity

एम.ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य –;2021–22द्धपंचम प्रश्न–पत्र – साहित्यिक निबंध एवं परियोजना कार्य

इकाई–1

प्रिय लेखक– 20 अंक (सीमा –2000 शब्द) इकाई–2

साहित्य सिद्धान्त और विमर्श – यथार्थवाद, अतियथार्थवाद, स्वच्छंदतावाद, जनवादी विचार, रूपवाद, कलावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, स्त्रीविमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, विकलांग विमर्श, आदि – 20 अंक (सीमा –2000 शब्द)

इकाई–3

काव्य आन्दोलन – प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, गीत, नवगीत एवं प्रमुख आन्दोलनों का विश्लेषणात्मक अध्ययन – 20 अंक (सीमा –2000 शब्द)

इकाई–4

राजस्थान का हिन्दी साहित्य – कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना एवं अन्य विधाएं – 20 अंक (सीमा –2000 शब्द) इकाई–5

लोक साहित्य, संस्कृति एवं समाज – लोक कथा, लोक नाट्य, वात साहित्य, लोक गीत, लोक नृत्य, लोक संगीत, लोक परम्पराएं – 20 अंक (सीमा –2000 शब्द)

Course Outcomes:

- To study the literature of Rajasthan in its variety
- To get the feel of the folklore, traditional culture and living through literature
- To understand several ideologies like realism, idealism, feminism, Marxism, Dalit literature etc through literary works

अथवा

केस स्टडी / परियोजना कार्य :– – अंक 100

इस विकल्प में विद्यार्थी को निर्धारित चार क्षेत्रों में से एक का चयन करते हुए उस क्षेत्र पर शोधपरक दृष्टि से कार्य करना होगा।

क्षेत्र–1

1. भाषा सर्वेक्षण व मूल्यांकन– स्थानीय भाषाओं व बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन अथवा

2. केन्द्रीय संस्थानों में हिन्दी व्यवहार और समस्याएं– विश्लेषणात्मक अध्ययन।

क्षेत्र–2

पुस्तक समीक्षा :– प्रतिष्ठित रचनाकार की प्रकाशित कृति (विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक द्वारा अनुमोदित) के अतिरिक्ति साहित्य अकादमी, दिल्ली, राजस्थान हिन्दी साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं विभिन्न राज्यों की अकादमियों से पुरस्कृत एवं प्रकाशित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन

क्षेत्र–3

अनुवाद :– अंग्रेजी अथवा राजस्थानी भाषा की कृति का हिन्दी अनुवाद प्रतिष्ठित रचनाकार की प्रकाशित कृति (विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक द्वारा अनुमोदित) के अतिरिक्ति साहित्य अकादमी, दिल्ली, राजस्थान हिन्दी साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं विभिन्न राज्यों की अकादमियों से पुरस्कृत एवं प्रकाशित कृतियों रचनाओं का अनुवाद।

क्षेत्र–4

भेंटवार्ता :–

प्रतिष्ठित रचनाकार (विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक द्वारा अनुमोदित) के अतिरिक्त साहित्य अकादमी, दिल्ली, राजस्थान हिन्दी साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं विभिन्न राज्यों की अकादमियों से पुरस्कृत रचनाकार से विचारपरक भेंटवार्ता ।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. यह विकल्प पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त नियमित विद्यार्थियों के लिए है।

2. केस स्टडी/ परियोजना कार्य की सीमा हस्तलिखित अधिकतम 100 पृष्ठ होगी।

3. केस स्टडी/ परियोजना कार्य संबंधित महाविद्यालय के प्राध्यापक के निर्देशनाधीन सम्पन्न किया जाए।

4. केस स्टडी/ परियोजना कार्य के विषय निर्देशित इकाई में से चयनित किए जा सकते हैं।

5. केस स्टडी/ परियोजना कार्य की एक हस्तलिखित मूल प्रति एवं 4 छाया प्रतियां स्पाइरल बाइंडिंग सहित द्वारा उचित माध्यम से विश्वविद्यालय को जांच कार्य हतु प्रेषित की जाएगी।

Course Outcomes:

- To motivate students towards academic writing
- To develop a research environment and culture
- To attempt several techniques of research and communication like translation, interviews, book reviews for profiency in language and literature